बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१९४ वा शनिवार १५ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

आरोप सिद्ध होने तक धनंजय मुंडे को राहत!

अजित पवार का रुख स्पष्ट

जमीर काज़ी कि रिपोर्ट

मुंबई: पिछले दो महीनों से विवादों में घिरे और रोज़ नए-नए गंभीर आरोपों का सामना कर रहे विवादित मंत्री धनंजय मुंडे को उनके पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने फिलहाल राहत दी है। सूत्रों के अनुसार, अजित पवार ने वरिष्ठ नेताओं की बैठक में स्पष्ट किया कि जब तक आरोप सिद्ध नहीं होते, तब तक मुंडे का इस्तीफा लेने की कोई जरूरत नहीं है।

गुरुवार रात अजित पवार ने अपने सरकारी आवास 'देवगिरी' पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे और धनंजय मुंडे के साथ लंबी चर्चा की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद यह अटकलें तेज हो गई थीं कि मुंडे से इस्तीफा मांगा जा सकता है। हालांकि, बैठक के बाद सभी नेता बिना कुछ कहे वहां से निकल गए। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पवार ने स्पष्ट किया कि जब तक आरोप साबित नहीं होते, तब तक मुंडे को इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं है।

गौरतलब है कि मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद से ही मुंडे लगातार सत्ता पक्ष और विपक्ष के निशाने पर हैं। इसके अलावा, पिछली सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए उनके विभाग में भ्रष्टाचार के कई मामले उजागर हुए थे। साथ ही, करुणा मुंडे-शर्मा द्वारा पारिवारिक न्यायालय में उनके खिलाफ दर्ज घरेलू हिंसा के मामले में भी उन्हें प्रथम दृष्टया दोषी ठहराया गया था। बांद्रा न्यायालय ने करुणा और उनकी बेटी को हर महीने दो लाख रुपये भत्ता देने का आदेश दिया था, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गई थीं।

उन पर बढ़ते आरोपों के चलते न केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस बल्कि महायुती सरकार की छवि भी खराब हो रही थी, जिससे उनके इस्तीफे का दबाव बढ़ रहा था। भाजपा और शिंदे गुट के साथ-साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस के अंदर से भी उन पर इस्तीफे का दबाव था। इसी पृष्ठभूमि में गुरुवार को देवगिरी बंगले पर वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया कि जब तक आरोप सिद्ध नहीं होते, तब तक मुंडे को इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही, इस मुद्दे पर अनावश्यक चर्चा से बचने और जनता तक सही जानकारी पहुंचाने की रणनीति अपनाने की भी बात कही गई।

कोर्ट से ही झटका देना होगा-अंजली दमानिया

राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा धनंजय मुंडे का समर्थन किए जाने पर सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, सिंचन घोटाले में आरोप सिद्ध नहीं हुए और केस बंद कर दिया गया। प्रफुल्ल पटेल का घोटाला भी रफा-दफा कर दिया गया। जब तक ये लोग भाजपा के साथ हैं, तब तक सारी एजेंसियां इनके पक्ष में काम करती रहेंगी। चाहे कितने भी ठोस सबूत हों, कुछ साबित नहीं होगा। इन्हें सिर्फ अदालत से ही झटका देना होगा, ऐसा उन्होंने कहा।

सुरेश धस और धनंजय मुंडे की भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के घर पर गुप्त मुलाकात

२० दिनों में दूसरी बार मिले

मुंबई (जमीर काज़ी):

मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड के बाद मंत्री धनंजय मुंडे पर खुलकर निशाना साधने वाले भाजपा विधायक सुरेश धस ने पिछले १५ दिनों में मुंडे से दो बार मुलाकात की, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। करीब १५-२० दिन पहले धस ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के आवास पर आधे घंटे तक चर्चा की थी और दो दिन पहले वह खुद मुंडे के घर जाकर साढ़े चार घंटे तक उनकी तबीयत की जानकारी लेते रहे।

यह खुलासा होने के बाद इस मामले को एक नया मोड़ मिल गया है। अब चर्चा तेज हो गई है कि कहीं यह पूरी सेटिंग तो नहीं? मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने इस पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि सुरेश धस ने मराठा समाज के साथ विश्वासघात किया है।

धस ने दी सफाई, मुंडे ने मुलाकात से किया इनकार

इस बीच, सुरेश धस ने पत्रकार वार्ता कर सफाई देते हुए कहा कि देशमुख हत्याकांड मामले में वह किसी भी हाल में पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा, मैं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के आवास पर भोजन के लिए गया था। तभी मुंडे वहां आ गए, जिसका मुझे अंदाजा नहीं था। तब बावनकुले ने पूछा कि हमारे मतभेद हैं या मनभेद? क्या देशमुख हत्या मामले में समझौता हो सकता है? मैंने साफ इनकार कर दिया। दो दिन पहले जब मुंडे की आंख का ऑपरेशन हुआ तो मानवीय आधार पर उनकी तबीयत पूछने गया था, लेकिन उनके खिलाफ मेरा विरोध जारी रहेगा।

हालांकि, धनंजय मुंडे के कार्यालय ने इस मुलाकात से इनकार कर दिया था, लेकिन धस और बावनकुले दोनों ने इसकी पुष्टि कर दी, जिससे यह मामला और गंभीर हो गया।

सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने इस मुलाकात को लेकर हैरानी जताते हुए कहा, चार-पांच दिन पहले ही मुझे पता चला था कि बावनकुले ने इस मुलाकात की मध्यस्थता की। अगर यह सही है, तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या अब सुरेश धस मुंडे के खिलाफ लड़ेंगे या नहीं? यह सब मुझे बहुत अजीब लग रहा है। पहले कहते थे कि 'आका का आका' मुंडे हैं, और अब यह सब हो रहा है।

धस की विश्वसनीयता खत्म - सुषमा अंधारे

उद्धव ठाकरे गुट की उपनेता सुषमा अंधारे ने भी धस पर निशाना साधते हुए कहा, धस की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो गई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है।

सुरेश धस का मुंडे से मिलना चौंकाने वाला-मनोज जरांगे पाटील

धस का यह कदम विश्वासघात-जरांगे

बीड (संवाददाता)

मनोज जरांगे-पाटील ने कहा, सुरेश धस का धनंजय मुंडे से मिलना चौंकाने वाला है। करोड़ों मराठा समाज ने धस पर विश्वास किया था, लेकिन सत्ता और राजनीति की लालच में समाज के साथ विश्वासघात करना बिल्कुल गलत है। हमें उम्मीद नहीं थी कि धस ऐसा करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, जिस व्यक्ति (धनंजय मुंडे) ने हमारे समाज के एक भाई की क्रूर हत्या करवाई, उससे मिलने के लिए धस कैसे जा सकते हैं? राज्य के लोगों ने धस को एक आदर्श नेता मानने की कोशिश की। मराठा समाज ने उन्हें भरपूर समर्थन दिया और बड़ी जीत दिलाई। हमें विश्वास था कि वह संतोष देशमुख हत्याकांड का मुद्दा छोड़कर भागेंगे नहीं, लेकिन अब ऐसा ही होता दिख रहा है।

एक हत्यारे से मिलने गए, पर पंकजा मुंडे को शुभकामनाएं नहीं दी

जरांगे-पाटील ने कहा, जिस व्यक्ति (धनंजय मुंडे) ने जबरन वसूली करने के लिए हत्या करवाई और वंजारी-ओबीसी समाज को दबाने का काम किया, उससे मिलने धस गए। जब एक पत्रकार ने धस से पूछा कि क्या वह पंकजा मुंडे को शुभकामनाएं देंगे, तो उन्होंने जवाब तक नहीं दिया, लेकिन एक गुंडे और अपराधी से मिलने चले गए। यह महाराष्ट्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

फडणवीस ने भी ऐसा धोखा नहीं दिया जरांगे ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, कोई भी नेता अपने फायदे के लिए राजनीति करता है, लेकिन यह मराठा समाज के साथ बहुत बड़ा धोखा है। देवेंद्र फडणवीस ने भी इतना बड़ा झटका नहीं दिया, जितना धस ने दिया है। शायद किसी दुश्मन ने भी इतना बड़ा धोखा नहीं दिया होगा। लेकिन कोई बात नहीं, मनोज जरांगे अभी भी मजबूती से डटा है और हमारे समाज को ऐसे नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ेंगे।

हम सक्रिय और प्रगतिशील कानून-व्यवस्था लागू करेंगे

राज्य में जल्द ही नए आपराधिक कानून का क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अमित शाह से की मुलाकात

मुंबई, १४ फरवरी (अज़ीज़ अयाज़):

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में महाराष्ट्र में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि इन तीनों नए कानूनों के लागू होने से राज्य में एक सक्रिय और प्रगतिशील कानून-व्यवस्था स्थापित होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ तीन नए कानूनों पर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में इन कानूनों के राज्य में क्रियान्वयन की स्थिति, आवश्यक संस्थागत और आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता और दर्ज मामलों की संख्या का जायजा लिया गया। ये तीन कानून इंडियन जस्टिस कोड, इंडियन सिविल डिफेंस कोड और इंडियन एविडेंस कोड हैं। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री ने गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में इन कानूनों की समीक्षा की थी। शुक्रवार को महाराष्ट्र की समीक्षा की गई।

फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में इन तीनों कानूनों का क्रियान्वयन बेहद प्रभावी रूप से चल रहा है। राज्य में २७ मोबाइल फॉरेंसिक वैन तैनात की गई हैं, और अगले छह महीनों में यह संपूर्ण नेटवर्क पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। सात साल से अधिक की सजा वाले मामलों में अब मोबाइल फॉरेंसिक वैन के जरिए घटनास्थल पर ही फॉरेंसिक जांच की जाएगी, जिससे जांच की गुणवत्ता और प्रमाणिकता में सुधार होगा। राज्य की पुलिस फोर्स के २ लाख कर्मचारियों में से ९०% का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और शेष १०% की ट्रेनिंग ३१ मार्च से पहले पूरी करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नए कानून के तहत जेलों में गवाहों के लिए विशेष कमरे बनाए जाएंगे और आरोपियों को बार-बार अदालत लाने की बजाय उन्हें ऑनलाइन अदालतों से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक अदालत में इसके लिए अलग से चेंबर होंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया ६ से ८ महीनों में पूरी की जाएगी, जिससे अदालत में पुलिस वाहनों की संख्या, सुरक्षा का दबाव और भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा।

फडणवीस ने कहा कि नए कानून के अनुसार सार्वजनिक अभियोजकों (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर्स) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, क्योंकि नए प्रावधानों के तहत बार-बार तारीख लेने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में इस विषय पर बेहद उपयोगी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और राज्य सरकार तीनों कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए तेजी से कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहद आभारी हैं कि अमेरिका ने २६/११ हमले के दोषी तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने पर सहमति दी है। इस मामले में पाकिस्तान की संलिप्तता तब साबित हुई जब पिछली बार तहव्वुर राणा की ऑनलाइन गवाही ली गई थी। अब मुंबई हमलों में अंतिम न्याय मिलने का समय आ गया है। फडणवीस ने कहा कि चूंकि इस मामले की सुनवाई मुंबई में होगी, इसलिए तहव्वुर राणा को मुंबई लाया जाएगा। जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या राणा को मुंबई जेल में रखने के लिए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं, तो मुख्यमंत्री ने कहा, अगर हम कसाब को मुंबई जेल में रख सकते हैं, तो तहव्वुर राणा कौन है? फडणवीस ने महाकुंभ में लगाई डुबकी प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में देशभर के कई नेता संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपने परिवार के साथ प्रयागराज पहुंचे और पवित्र संगम में स्नान किया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह हम सभी के लिए एक महान पर्व है। महाकुंभ का यह विशेष अवसर १४४ साल बाद आया है। जो भी सनातन धर्म में आस्था रखता है, वह महसूस करता है कि इस पवित्र अवसर पर गंगा जी के दर्शन करने और स्नान करने अवश्य जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस भव्यता से महाकुंभ का आयोजन किया है, उसे दुनिया की इतिहास में याद रखा जाएगा। यह आयोजन अब वैश्विक स्तर पर एक अनूठा पर्व बन चुका है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

आ.क्षीरसागर ने संभाजीनगर (औरंगाबाद) में बीड के महत्वपूर्ण मुद्दों पर की बैठक

एमआईडीसी और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के विभागीय कार्यालय में चर्चा

छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) (प्रतिनिधि):

बीड के महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर विधायक संदीप क्षीरसागर ने शुक्रवार (१४ फरवरी) को एमआईडीसी और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के विभागीय कार्यालय में बैठकें कीं। इन बैठकों में बीड एमआईडीसी के विकास और बायपास रोड पर स्लीप सर्विस रोड व उड्डाण पुल (फ्लाईओवर) के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

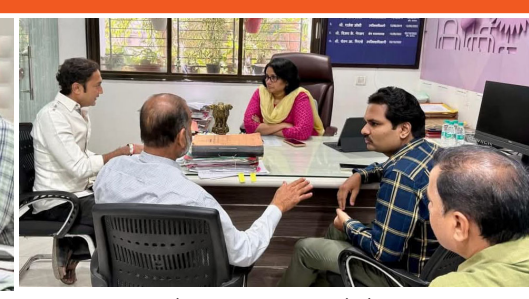

बीड के औद्योगिक विकास के लिए नए उद्योगों का आगमन आवश्यक है, जिसके लिए बीड शहर में स्थित एमआईडीसी का विकास प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विधायक संदीप क्षीरसागर लगातार प्रयासरत हैं। पिछले सप्ताह ही उन्होंने बीड के सरकारी विश्रामगृह में औद्योगिक विकास महामंडल (एमआईडीसी) के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इसके बाद अब उन्होंने संभाजीनगर स्थित महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के विभागीय कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस विषय पर विस्तृत चर्चा की। बीड बायपास पर फ्लाईओवर और सर्विस रोड के मुद्दे का समाधान बीड बायपास पर फ्लाईओवर की अनुपस्थिति के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही थीं और स्लीप सर्विस रोड न होने से नागरिकों को यातायात में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस विषय पर विधायक संदीप क्षीरसागर ने सरकार, प्रशासन और न्यायालय में लगातार प्रयास कर इस समस्या का समाधान सुनिश्चित किया।

अब बीड बायपास पर महालक्ष्मी चौक, जिरेवाड़ी और छत्रपति संभाजी महाराज चौक (समनापुर) में फ्लाईओवर बनाए जाएंगे, जबकि परली रोड, नाथापुर रोड और इमामपुर रोड पर स्लीप सर्विस रोड के निर्माण की निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बैठक में विधायक क्षीरसागर ने इन सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठकों में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति संभाजीनगर में हुई एमआईडीसी की बैठक में पूर्व विधायक सय्यद सलीम, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल की उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनाली मुळे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की बैठक में पूर्व विधायक सय्यद सलीम, प्रोजेक्ट डायरेक्टर रविंद्र इंगोले और अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

डॉ.जाकेर हुसेन यांच्या जयंती निमित्त अमन लान्स बीड येथे अखिल भारतीय कवी संमेलन संपन्न

बीड (संवाददाता)

अखिल भारतीय उर्दु कवी संमेलनाचे आयोजन दि ०८ फेब्रुवारी वार शनिवार रोजी अमन लान्स बार्शी रोड बीड येथे सायं ०७:०० ते रात्री १०:०० वा.पर्यत करण्यात आले होते. या कार्यक्रमाची सुरुवात हाफेज मोहम्मद कासिम अन्सारी यांनी कुराण मजीद पठन करुन केली.हम्द व नात ए पाक शेर-ए-हिंद ग्रुप ऑफ़ महाराष्ट्र राज्यचे संस्थापक अध्यक्ष शेख आमेर पाशा यांनी पठन केले.या कवी संमेलना मध्ये अखिल भारतीय सुप्रसिद्ध कवी नईम अख्तर खादमी बुरहानपुर (चझ),राहत इंदौरी यांचे पुत्र सतलज राहत इंदौरी (इंदोर),ताहेर सऊद बिजनौर (णझ),कलीम जावेद खिरतपुरी(णझ),बीडचे प्रसिद्ध कवी शाहनवाज खान आझाद,अलतमश तालेब नांदेड,जुबेर गोहर परभणी या सर्वांनी गजल,कविता,शायरी केली व सुत्रसंचालन ऐहतेशाम सफ़ी परभणी यांनी केले.हा कवी संमेलन फारोख अली पटेल साहेब माजी उपनगराध्यक्ष यांच्या मार्गदर्शनाखाली पार पडलं. या वेळी प्रमुख पाहुणे मोईन मास्टर साहेब, शफीख भाऊ ,शेख तय्यब भाई संपादक बीड रिपोर्टर,पठाण जलील खाँन,पठाण जैतुल्लाह खाँन,हाजी नसीम इनामदार,खुर्शीद आलम साहेब,बरकत लाला,मुख्तार कॉंट्रेक्टर,सय्यद मजहर भाई,सरपंच सय्यद शाहेद भाई,अमर शेख सर,हाशम पठाण खामगावचे अमीर साहेब,शाहीन पठाण अध्यक्षा क्रांती म.अ.का. यु.म.राज्य,शेख गुलरुख जहिन उपस्थित होते.हा उर्दु कवी संमेलन भारताचे ३ रे राष्ट्रपती भारतरत्न डॉ.जाकेर हुसेन यांच्या जयंतीनिमित्त ठेवण्यात आले होते.या कवी संमेलनाचे आयोजन बीड शहराच्या तरुण मंडळींनी केले होते. या उर्दु कवी संमेलनाला यशस्वी करण्यासाठी बीडचे कवी शाहनवाज खान आझाद,शेर-ए-हिंद ग्रुप ऑफ़ महाराष्ट्र राज्यचे संस्थापक अध्यक्ष शेख आमेर पाशा,शेख इलियास युनुस,फयाज कुरेशी,शेख अनिस यांनी परिश्रम घेतले व आभार प्रदर्शन शाहनवाज खान यांनी केले.

ईंधन की बचत से संभव है सतत विकास: अदिती तटकरे

मुंबई: (संवाददाता)

सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग और ईंधन की बचत के माध्यम से भविष्य में ऊर्जा संरक्षण, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। यह बात महिला और बाल कल्याण मंत्री अदिती तटकरे ने कही। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय एवं तेल उद्योग राज्य सरकार की सक्रिय भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसी के तहत १४ फरवरी से २८ फरवरी २०२५ तक संरक्षण क्षमता महोत्सव' मनाया जाएगा। इस अभियान का उद्घाटन आज यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में मंत्री अदिती तटकरे के हाथों किया गया।

इस अवसर पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के बिजनेस हेड राहुल टंडन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर दिब्याशीष बिस्क, बीपीसीएल के राज्य प्रमुख राकेश सिन्हा, इंडियन ऑयल के प्रबंध निदेशक अभिजीत गीते, गेल इंडिया लिमिटेड के डिप्टी डायरेक्टर मोहम्मद शफी अवान, वरिष्ठ प्रबंधक दीपक वाघ, रितेश जाधव सहित अन्य अधिकारी और नगर निगम के छात्र उपस्थित थे।

इस दौरान स्टेज ग्रुप द्वारा नुक्कड़ नाटक के जरिए बच्चों को ईंधन बचाने का संदेश दिया गया, साथ ही ईंधन संरक्षण के संकल्प के रूप में सामूहिक शपथ भी ली गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अभियान के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

एलपीजी का उपयोग विकास की दिशा में बड़ा कदम

मंत्री अदिती तटकरे ने कहा कि एलपीजी का ईंधन के रूप में उपयोग देश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र सरकार ने २०२५ तक पेट्रोल-डीजल में २०% एथेनॉल मिश्रण अनिवार्य करने का लक्ष्य रखा है। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन व जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) के उपयोग में भी कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि पुनःनवीकरणीय (रिन्युएबल) ऊर्जा को बढ़ावा देना और प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाना हमारा लक्ष्य है। घरों में गैस और बिजली के सही उपयोग, इमारतों में सोलर पैनल लगाने, ट्रैफिक सिग्नल पर वाहन बंद करने जैसे छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाकर हम ईंधन की बचत कर सतत विकास की ओर बढ़ सकते हैं।

राज्यभर में चलेगा जागरूकता अभियान

यह अभियान १४ से २८ फरवरी तक राज्यभर में तेल विपणन कंपनियों द्वारा चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य ईंधन संरक्षण, सतत विकास और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जागरूकता लाना है।

अभियान के तहत छात्रों, युवाओं, ड्राइवरों, क्लीनरों, कर्मचारियों, किसानों, हाउसिंग सोसायटियों, ग्राम पंचायतों और गैर-सरकारी संगठनों सहित विभिन्न वर्गों को ईंधन बचत के महत्व और इसके लाभों से अवगत कराया जाएगा।

ईंधन बचत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान, साइक्लोथॉन, वॉकथॉन, चित्रकला प्रतियोगिता और ईंधन-कुशल ड्राइविंग प्रतियोगिताएं जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

आज माजलगांव में एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) माजलगांव शाखा की ओर से वक्फ संशोधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।

किसानों को भिखारी कहने वाले कृषि मंत्री का इस्तीफा लें-अतुल लोंढे

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई: भाजपा-युति सरकार के मंत्रियों का किसानों के प्रति नजरिया सही नहीं है। किसानों को भिखारी कहकर अपमानित करने वाले कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे को मंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को तुरंत उनका इस्तीफा लेकर उन्हें घर भेज देना चाहिए। यह मांग महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने की है। गौरतलब है कि कृषि मंत्री कोकाटे ने हाल ही में एक सार्वजनिक सभा में कहा था, आजकल भिखारी भी एक रुपया नहीं लेते, लेकिन हमने किसानों को एक रुपये में फसल बीमा दिया। इस बयान पर तीखी आपत्ति जताते हुए अतुल लोंढे ने माणिकराव कोकाटे और महायुति सरकार पर जमकर निशाना साधा।

मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षणार्थियों का जिला परिषद पर मोर्चा

बीड, १४ फरवरी (प्रतिनिधि):

मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार (१४ फरवरी) को सैकड़ों प्रशिक्षणार्थियों ने जिला कौशल अधिकारी कार्यालय पर विशाल मूक मोर्चा निकाला और अपनी मांगों का निवेदन सौंपा।

मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना के तहत अनेक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यकाल बढ़ाने, वजीफे (स्टाइपेंड) में वृद्धि करने और सरकारी सेवाओं में १५% आरक्षण देने की मांग को लेकर यह मोर्चा निकाला। सरकार से रोजगार की मांग प्रशिक्षणार्थियों द्वारा दिए गए निवेदन में कहा गया है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना के तहत वे बीड जिले में विभिन्न संस्थानों में विशिष्ट पदों पर प्रशिक्षु (इंटर्न) के रूप में कार्यरत हैं। सरकारी आदेश के अनुसार, प्रशिक्षण पूरा करने के बाद संबंधित संस्थानों को इन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संबंधित संस्थान इन प्रशिक्षार्थियों को रोजगार प्रदान करें। इस मांग को लेकर जिला कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता विभाग, बीड के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान सैकड़ों युवा प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

चाटे स्कूल में स्नेहसंमेलन उत्साह के साथ संपन्न

विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने बजाई तालियां

केज, १४ फरवरी (प्रतिनिधि):

शहर के समर्थनगर क्षेत्र स्थित चाटे स्कूल में मंगलवार को वार्षिक स्नेहसंमेलन (सांस्कृतिक कार्यक्रम) बड़े उत्साह और धूमधाम से संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता नंदकिशोर मुंदडा, डॉ. नितीन चाटे, शिवाजी ठोंबरे, दिनकर चाटे, भगवान चाटे, रामधन चाटे, अजय चाटे, राजेभाऊ चाटे, अंनिस के हनुमंत भोसले, दुर्गादास लांब, डॉ. हनुमंत सौदागर, श्रीराम तांदले, अनिल गलांडे, अर्शद शेख, मुबशीर शेख, दिनकर चाटे और संस्था के सचिव शिवाजी चाटे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

चाटे इंग्लिश स्कूल के चौथे वार्षिक स्नेहसंमेलन में छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने मराठी, हिंदी और विभिन्न गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके अलावा, सोशल मीडिया के अधिक

इस्तेमाल के दुष्परिणाम, अंधविश्वास उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, देशभक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर नाटकों और गीतों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक (उद्घाटन भाषण) शिवाजी चाटे ने किया। इस दौरान हनुमंत भोसले सर ने विद्यार्थियों को कला, खेल और संगीत के माध्यम से सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि को पहचानकर माता-पिता और शिक्षकों को उनका सही मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि, मुझे विश्वास है कि चाटे स्कूल के इन छोटे पौधों से भविष्य में विशाल वटवृक्ष तैयार होंगे। विद्यार्थी मोबाइल का कम से कम उपयोग करें और अधिक से अधिक मैदान में खेलें। अभिभावकों और विद्यार्थियों की रही बड़ी संख्या में उपस्थिति स्नेहसंमेलन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रधानाचार्य, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com